(b) The quantity of natural ruber used in this industry during the year 1970-1971 was of the order of 87,227 tonnes. The most important item of manufacture under this Industry is Automobile Tyres and Tubes and for full utilisation of capacity in respect of tyres and tubes, the estimated requirement of natural rubber will be about one lakh tonnes.

बिहार के दरभंगा जिले में डाक-तार कर्मचारियों के लिए क्वार्टर

4928. **श्री राम भगत पस्वान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के दरभंगा जिले में डाक-तार प्रशिक्षण केन्द्र वेला पैलेस मे लगभग पचास एकड़ भूमि सरकार के कब्जे मे है;

(ख) क्या वहा डाक-तार कमचारियो के लिए एक आवासीय कालोनी स्थापित करने सम्बन्धी कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(ग) यदि हा, तो उक्त कालोनी को कब तक स्थापित कर दिए जाने की सम्भावना है ?

संचार मंत्री (श्री हेमवतीनंदन बहुगुणा) : (क) जी हां। विला पैलेस' अहाते में 62 एकड़ भूमि डाक-तार प्रशिक्षण केन्द्र दरभगा के कब्जे में है।

(ख) जी हा।

(ग) आशा है कि यह कालोनी चौथी योजना में ही बन जाएगी।

खादी उद्योग को ऋण तथा अनुदान

4929. **श्री मूलचन्द डागा :** क्या **औद्योगिक विकास** मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खादी उद्योग में लगी उन सहकारी समितियों के नाम क्या हैं जिन्हें सरकार ने गत तीन वर्षों में ऋण तथा अनुदान दिया है और उन में से प्रत्येक समिति को कितनी-कितनी धनराशि का ऋण अथवा अनुदान दिया गया है, और

(ख) क्या खादी उद्योग अभी तक आत्म निर्भर नहीं हुआ है और यदि हो, तो इसके क्या कारण हैं।

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) खादी उद्योग में लगी किसी भी सहकारी समिति को केन्द्रीय सरकार से सीधे ऋण और अनुदान नहीं दिये गये हैं। खादी उद्योग के विकास के लिए ऋण और अनुदान खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, बम्बई के लिए स्वीकार किये जाते हैं। अनुदान (ऋण पर ब्याज के कारण हुई कमी को क्षतिपूर्ति करने के लिये दी गई आर्थिक सहायता को मिलाकर) और ऋण जो कि गत तीन वर्षों में खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, बंबई को दिये गये हैं, निम्न प्रकार हैं :—

वर्ष	खादी अनुदान (आर्थिक सहायता को मिलाकर)	लाखों में खादी ऋण
1969-70	10 1.00	222.00
1970-71	1055.00	320.00
1971-72	996.00	487.46

(ख) खादी उद्योग अभी तक इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं हो सका क्योंकि खादी का अधिकतर उत्पादन पुराने ढंग के चरखों से कते सूत पर आधारित है और कीमतों में भारी अतर केवल खादी तथा मिल के कपड़े में ही नहीं अपितु खादी और मिल के धागे से बनाये गये हाथ करघे के कपड़े में भी है।

लघु उद्योगों के लिए कच्चे माल का आयात

4930. **श्री मूलचन्द डागा :** क्या **औद्योगिक विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लघु उद्योगों के लिए पिछले वर्ष विदे शों से कौन-कौन सा कच्चा माल आयात किया गया और उसका मूल्य कितना था ; और